१ - भविष्य को कैसे जाने

1

भूतकाल का एक स्वप्न वर्तमान से कहता है

2

एक दिन एक भुलक्कड़ व्यक्ति रेलगाड़ी से सफर कर रहा था। वह अपनी पुस्तक को पढ़ने में मग्न था। तब वहाँ रेलवे कन्डेक्टर आया और उसने उससे टिकट मांगा। उस व्यक्ति ने अपनी सारी जेबों को टटोला मगर टिकट नहीं मिला। फिर वह दोबारा घबराकर टिकट को ढूंढ़ने लगा। इस पर रेलवे कन्डेक्टर ने बहुत नम्रतापूर्वक कहा, "कोई बात नहीं, श्रीमान, जब आप को वह टिकट मिल जाए तब उसे डाक से कम्पनी को भेज देना। मुझे पूरा विश्वास है वह आप के पास है।" वह व्यक्ति परेशान हो गया और बोला, "आप नहीं जानते, वह टिकट मुझे अभी ढूंढ़ना होगा!" मुझे उस टिकट की इसलिए आवश्यकता है कि उससे मुझे यह पता चलेगा कि मुझे उतरना कहाँ है! आज रात दुनिया के लाखों लोग यह पूछ रहे हैं कि इस दुनिया में हम किस ओर जा रहे हैं। यह भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा है। वे यह सोच रहें हैं कि हमारा संसार कहाँ जा रहा है। अब हमें सोचने की और आवश्यकता नहीं है। पच्चीस वर्ष पूर्व एक प्राचीन राजा के स्वप्न ने हमारे इतिहास की और आने वाले भविष्य की झलक दिखाई थी।

१ - भविष्य को कैसे जाने

3

(दृश्य)

वैज्ञानिकों का कहना है कि हम सब प्रत्येक रात को अनेक बार प्रायः स्वप्न देखते हैं परन्तु हम अपने अधिकतर स्वप्न याद नहीं रखते।

4

तब भी सबसे अधिक अद्भुत स्वप्न जिसको सम्पूर्ण इतिहास में कभी लेखाबद्ध किया गया था, वह बाबुल के प्राचीन राज्य में २,६०० वर्ष पूर्व एक रात को दिखा था। इस स्वप्न की कहानी को अच्छी तरह से लेखाबद्ध किया गया है। यह उस व्यक्ति द्वारा लिखा गया था जिसने उसे अनुभव किया था।

5

बाइबिल में दानिय्येल की पुस्तक का दूसरा अध्याय यह कहानी बताता है।

शक्तिशाली राजा नबूकदनेस्सर को याद नहीं था कि उसने क्या स्वप्न देखा था। उसे यह ज्ञात था कि यह साधारण स्वप्न नहीं था। उसे यह भी ज्ञात था कि उस अद्भुत स्वप्न का कोई महत्वपूर्ण अर्थ था।

और वास्तव में, यह सही था।

१ - भविष्य को कैसे जाने

6

परमेश्वर ने उसे यह स्वप्न दिखा कर, ...हमारे लिए इस संसार के इतिहास को रेखांकित किया .....
विशेषकर यूरोप और मध्य पश्चिम का यह इतिहास राजा नबूकदनेस्सर के समय से अन्त के समय तक था।

7

परमेश्वर का धन्यवाद हो कि उसने हमें बताया कि भविष्य में क्या होगा।
दुनिया का प्रथम साम्राज्य बाबुल, उस समय के सभ्य संसार का सबसे बड़ा, धनी, और
प्रभावशाली राज्य था। उसका राजा भी संसार का शक्तिशाली राजा था। मनुष्यों के इस नेता ने एक के बाद एक अपने दुश्मनों को अपने सैनिक बल द्वारा मात देनी आरम्भ कर दी जब तक बाबुल संसार का सर्वोत्तम राज्य न बन गया।

8

अपने शासन के दूसरे वर्ष में एक रात राजा नबूकदनेस्सर अपने शासन की चिंता करता सो गया।
वह भी दूसरे शासकों की तरह अपने राज्य का भविष्य जानना चाहता था।
उस रात परमेश्वर ने स्वर्ग से नीचे देखा और इस कृपालु शासक को स्वप्न में भविष्य दिखाया।

१ - भविष्य को कैसे जाने

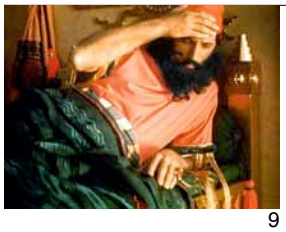
9

जब वह राजा बेचैन हो जल्दी उठ गया,
वह जानता था कि तब वह परेशान था, उसे एक स्वप्न आया था, पर उसे स्पष्ट रुप से अपना स्वप्न याद नहीं था।

बाबुल के रहने वाले स्वप्नों को बहुत महत्त्व देते थे और राजा उस स्वप्न और उसके अर्थ को जानना चाहता था।

10

यह सच है कि उसके पास ज्योतिषी, जादूगर, मंत्रमुग्ध करने वाले और टोना करने वाले थे। भोर होने से पहले ही उन्हें राजभवन में बुलाया गया।
जब वे अन्दर आए और राजा के सम्मुख खड़े हुए तब उसने उनसे कहा,

11

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३)
"... मैंने एक स्वप्न देखा है,
और मेरा मन व्याकुल है
कि स्वप्न को कैसे समझूं।"
दानिय्येल २ : ३

१ - भविष्य को कैसे जाने

12

ये पुरुष भविष्य की बातें जानने और बताने का झूठा दावा करते थे।

वे स्वप्नों के अर्थ का अनुमान कर सकते थे, परन्तु सचमुच वे स्वप्नों के अर्थ को नहीं जानते थे। वे समय नष्ट कर रहे थे। अन्त में उन्होंने कहा,

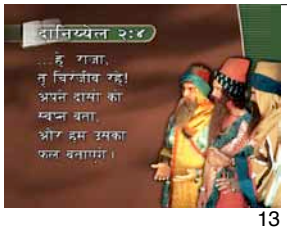

13

(मूलपाठः दानिय्येल २:४)

"... हे राजा, तू चिरंजीव रहे! अपने दासों को स्वप्न बता, और हम उसका फल बताएंगे।"

परन्तु उनका आत्मविश्वास शीघ्र ही समाप्त हो गया, जब उस घमंडी राजा ने उनकी व्यर्थ की बातें सुनकर कहा,

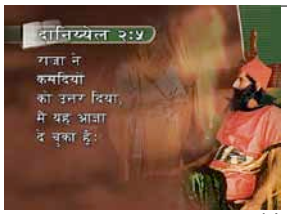

14

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ५,६)

"राजा ने कसदियों को उत्तर दिया, मैं यह आज्ञा दे चुका हूं :

15

यदि तुम फल समेत स्वप्न को न बताओगे तो तुम टुकड़े -टुकड़े किए जाओगे,

16

और तुम्हारे घर फुंकवा दिए जाएंगे।

१ -□ भविष्य को कैसे जाने

17

"और यदि तुम फल समेत स्वप्न को बता दो तो मुझसे भांति भांति के इनाम,

18

दान, और भारी प्रतिष्ठा पाओगे।
इसलिए तुम मुझे फल समेत स्वप्न को बताओ।" पद ४ -□६ ।

19

उन्होंने फिर से राजा से स्वप्न बताने के लिये कहा।
राजा अब जान गया था कि वे झूठे हैं।
उसने फिर से धमकाया और अंत में उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली,

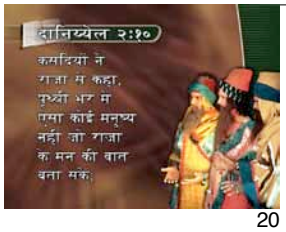

20

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : १०, ११)
"कसदियों ने राजा से कहा, पृथ्वी भर में ऐसा कोई मनुष्य नहीं जो राजा के मन की बात बता सके;

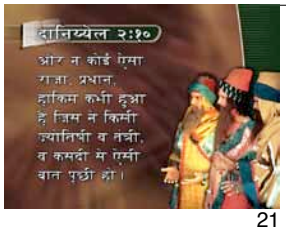

21

और न कोई ऐसा राजा, प्रधान, हाकिम कभी हुआ है जिस ने किसी ज्योतिषी व तंत्री, व कसदी से ऐसी बात पूछी हो

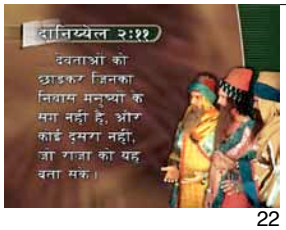

22

..... देवताओं को छोड़कर जिनका निवास मनुष्यों के संग नहीं है, और कोई दूसरा नहीं, जो राजा को यह बता सके।"
दानिय्येल २ : १०, ११

१ - भविष्य को कैसे जाने

23

बाइबिल कहती है कि राजा क्रोधित हो गया और उसने अपने सिपाहियों को सब पंडितों को नाश करने की आज्ञा दे दी।

24

दुर्भाग्य से, दानिय्येल और उसके साथ जो तीन जवान पुरुष थे जिन्हे पंडितों में गिना जाता था वहां उन पंडितों के साथ उपस्थित नहीं थे। जब राजा ने अपने स्वप्न का अर्थ जानने की मांग की।

जब सिपाही दानिय्येल को सजा देने के लिए ले जाने आए, तब वह आश्चर्यचकित हुआ। उसने कुछ समय मांगा ताकि वह परमेश्वर से जो स्वर्ग में रहता है, पूछ सके। और बुद्धि मांगे ताकि वह राजा के स्वप्न को जान सके।

पद १२ -१५

25

क्योंकि राजा उस ईमानदार जवान पुरुष का आदर करता था, इसलिए उसने दानिय्येल को अपने सृष्टि करने वाले परमेश्वर से बात करने का समय दिया।

दानिय्येल के कंधों पर कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी। उसके और उसके तीन मित्रों का ही नहीं परन्तु बाबुल के सारे पंडितों का जीवन दांव पर लगा था।

दानिय्येल अपने घर लौटा और सारा हाल अपने मित्रों को बताया।

१ - भविष्य को कैसे जाने

26

उन्होंने इस रहस्य को जानने के लिए स्वर्गीय परमेश्वर से दया की प्रार्थना की ताकि उन्हें बाबुल के शेष पंडितों के साथ नाश ना किया जाए। वह कितनी अच्छी प्रार्थना सभा हुई होगी चार इब्री जवान परमेश्वर से यह प्रार्थना कर रहे थे कि वह उस मूर्तिपूजक राजा के स्वप्न को उनकी मृत्यु होने से पहले बता दे। पद १६ -१८।

27

बाइबिल यह कहती है कि दानिय्येल के परमेश्वर ने उसी रात दर्शन के द्वारा उस स्वप्न के भेद को उसे बता दिया।

स्वर्ग के परमेश्वर ने उन प्रार्थनाओं को सुनने और आदर करने में देर नहीं की!

इसलिए दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का यह कह कर धन्यवाद दिया,

28

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : २३)

"हे मेरे पूर्वजों के परमेश्वर, मैं तेरा धन्यवाद और स्तुति करता हूं, क्योंकि तू ने मुझे बुद्धि और शक्ति दी है"

१ - भविष्य को कैसे जाने

29

और जिस भेद का खुलना हम लोगों ने तुझ से मांगा था, उसे तू ने मुझ पर प्रगट किया है, तू ने हम को राजा की बात बताई है। पद २३ दानिय्येल और उसके तीन इब्री मित्रों के हृदयों में कितना उल्लास आ गया होगा। जब दानिय्येल राजा के हाकिम अर्योक के पास गया, जैसाकि बाईबिल बताती है।

30

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : २४)
"तब दानिय्येल ने अर्योक के पास, जिसे राजा ने बाबुल मे पंड़ितों के नाश के लिये ठहराया था, भीतर जाकर कहा :

31

बाबुल के पंड़ितों का नाश न कर, मुझे राजा के सम्मुख भीतर ले चल, मैं फल बताऊंगा।" दानिय्येल २ : २४

32

जब दानिय्येल राजा के सम्मुख आया, तब नबूकदनेस्सर ने उस से पूछा कि क्या वह राजा के स्वप्न को जो उसने देखा है उसके फल सहित बताने में समर्थ है। आइए देखते हैं कि किस प्रकार दानिय्येल ने राजा को उत्तर दिया:

१ - भविष्य को कैसे जाने

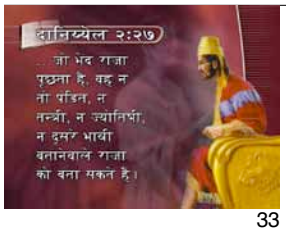

33

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : २७,२८)

"जो भेद राजा पूछता है, वह न तो पंडित, न तन्त्री, न ज्योतिषी, न दूसरे भावी बतानेवाले राजा को बता सकते हैं।

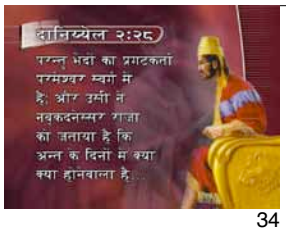

34

परन्तु भेदों का प्रगटकर्ता परमेश्वर स्वर्ग में है; और उसी ने नबूकदनेस्सर राजा को जताया है कि अन्त के दिनों में क्या क्या होनेवाला है...." पद २७,२८

35

ध्यान दीजिए कि दानिय्येल ने इस ज्ञान का श्रेय अपने ऊपर नहीं लिया है।

उसे पता था कि केवल परमेश्वर ही भविष्य को बता सकता है।

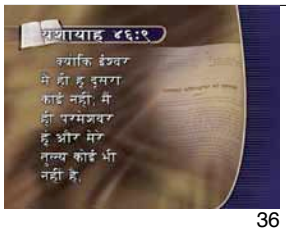

36

(मूलपाठ : यशायाह ४६ : ९, १०)

इसमें कोई सदेंह नहीं कि उसने यशायाह के अध्याय ४६ के ९ और १० पदों का अध्ययन किया था : –

"क्योंकि ईश्वर मैं ही हूँ दूसरा कोई नहीं; मैं ही परमेश्वर हूँ और मेरे तुल्य कोई भी नहीं है,

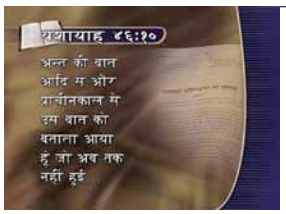

37

अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताता आया हूँ जो अब तक नहीं हुई....."

१ - भविष्य को कैसे जाने

38

यह ज्ञान परमेश्वर की ओर से आया था, जिसने राजा नबूकदनेस्सर और हमको इस संसार के इतिहास के २,६०० वर्षों की रुपरेखा बताई। सबसे पहले दानिय्येल ने उस स्वप्न की रुपरेखा बताई जिसे राजा ने देखा था:

39

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : २९)
"तेरे लिए यह है, हे राजा, जब तुझ को पलंग पर यह विचार हुआ कि भविष्य में क्या क्या होनेवाला है;

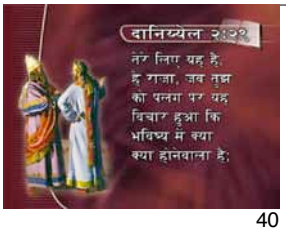

40

तब भेदों को खोलनेवाले ने तुझ को बताया, कि बाद के दिनो में क्या क्या होनेवाला है।" दानिय्येल २ : २९

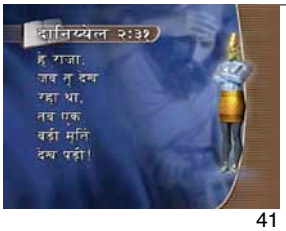

41

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३१)
दूसरा दानिय्येल ने स्वप्न के विषय में कहा
"हे राजा, जब तू देख रहा था, तब एक बड़ी मूर्ति देख पड़ी!

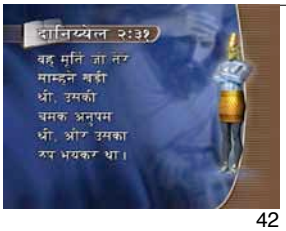

42

वह मूर्ति जो तेरे साम्हने खड़ी थी, उसकी चमक अनुपम थी, और उसका रुप भयंकर था।"
पद ३१।

१ - भविष्य को कैसे जाने

43

(दृश्य)

क्या आप उस राजा को जोश में यह कहते हुए नहीं सुन सकते कि हाँ, हाँ यह वही है!

एक भयंकर मूर्ति, जो सब वस्तुओं के ऊपर शिरोमणि थी!

दानिय्येल ने उस स्वप्न का इतना अच्छा वर्णन किया कि नबूकदनेस्सर को कोई सन्देह नहीं हुआ कि यह वही स्वप्न है जो उसने देखा था।

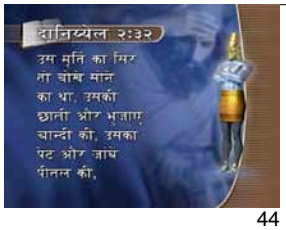

44

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३२, ३३)

तब दानिय्येल ने जारी रखा –

"उस मूर्ति का सिर तो चोखे सोने का था, उसकी छाती और भुजाएं चान्दी की, उसका पेट और जांघें पीतल की,

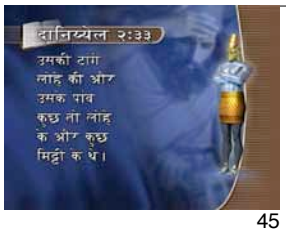

45

उसकी टांगें लोहे की और उसके पांव कुछ तो लोहे के और कुछ मिट्टी के थे।

१ - भविष्य को कैसे जाने

46

(दृश्य)

आश्चर्यचकित, नबूकदनेस्सर ने दानिय्येल को सुना जब वह उस मूर्ति के प्रत्येक तत्व को जिस से वह बनी थी ठीक उसी प्रकार बता रहा था जैसा उसने स्वप्न में देखा था।

उसका "उस मूर्ति का सिर तो चोखे सोने का था, उसकी छाती और भुजाएँ चान्दी की,

उसका पेट और जांघे पीतल की; उसकी टांगे लोहे की थी और उसके पांव कुछ लोहे के और कुछ मिट्टी के थे।

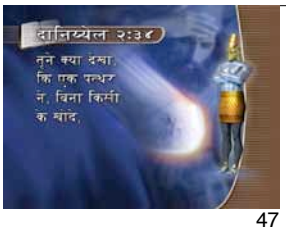

47

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३४)

तूने क्या देखा, कि एक पत्थर ने बिना किसी के खोदे,

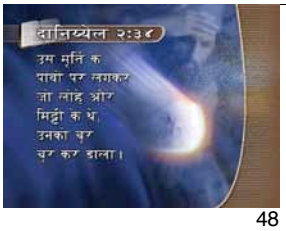

48

उस मूर्ति के पांवों पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे, उनको चूर चूर कर डाला।

49

तब लोहा, मिट्टी, पीतल, चांदी और सोना भी सब चूर चूर हो गए,

50

और धूपकाल में खलिहानों के भूसे की नाई हवा से ऐसे उड़ गए कि उनका कहीं पता न रहा।

१ - भविष्य को कैसे जाने

51

(दृश्य)

फिर राजा यह देखकर चकित हो गया कि एक पत्थर जो अति वेग के साथ अपने आप आया, और आश्चर्यजनक रुप से उसी मूर्ति के पांव से टकराया, और उन्हे चूर चूर कर दिया, और फिर प्रचण्डता से उस सम्पूर्ण मूर्ति को चूर चूर कर डाला कि वे हवा से ऐसे उड़ गए कि उनका कहीं पता न रहा।

52

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३५)

और वह पत्थर जो मूर्ति पर लगा था, वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।"

दानिय्येल २ : २९ - ३५

53

(दृश्य)

"हाँ दानिय्येल, "राजा ने ऐसा कहा होगा," एक पत्थर ने, बिना किसी के खोदे, उस मूर्ति को चूर चूर कर दिया और वह एक बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।"

वह सम्पूर्ण स्वप्न बिल्कुल वैसा ही था जैसा राजा ने देखा था। कल्पना कीजिए नबूकदनेस्सर कितना हैरान हुआ होगा जब उस जवान पुरुष ने उसके स्वप्न का सटीक वर्णन किया होगा!

१ - भविष्य को कैसे जाने

54

राजा को एक बात निश्चित हो गई होगी कि इस तरह कोई भी पुरुष किसी के देखे हुए स्वप्न को नहीं बता सकता! वह केवल किसी स्वर्गीय शक्ति के द्वारा ही बताया जा सकता था।

55

उस राजा ने यह सोचा होगा कि इस स्वप्न का उससे क्या संबंध है। हमारे पास भी ऐसे ही विचार हो सकते हैं। नबूकदनेस्सर का स्वप्न, पृथ्वी के दस प्रमुख राज्यों के उदय होने और गिरने की भविष्यवाणी करता है। उसके स्वप्न में जिन राज्यों का वर्णन किया गया है उन्होंने किसी न किसी प्रकार दुनिया के सभी राज्यों को प्रभावित किया है विशेष करके आधुनिक काल में।

56

परमेश्वर ने कुछ ही शब्दों में इतिहास के प्रमुख विषय का चित्र प्रस्तुत कर दिया यह चित्र बाबुल के समय से लेकर जो ईसा से ६०० वर्ष पूर्व था और पृथ्वी के इतिहास के अंत तक का है। अंत में, दानिय्येल ने स्वप्न का मूल अर्थ बताया।

१ - भविष्य को कैसे जाने

57

(मूलपाठः दानिय्येल २:३८)

राजा की ओर टकटकी लगाकर देखते हुए दानिय्येल ने कहाः "यह सोने का सिर तू ही है।"

पद ३८

बाबुल सिर था --एक शुद्ध सोने का राज्य। जैसे ही राजा ने उन शब्दों को सुना उसके चेहरे पर संतोषजनक मुस्कुराहट आ गई।

58

बाबुल के सैनिक विजय और वैभवशाली भवन निर्माण विद्या सबसे बढ़ चढ़ कर थे। इतिहास के जानने वाले इस बात का सर्मथन करते हैं कि सोना बाबुल के राज्य को प्रस्तुत करने के लिए एकदम सही प्रतीक था।

59

बाबुल की इमारतों को सजाने के लिए सोना अपरिमित रुप से व्यय किया गया था। इतिहास के एक ज्ञाता के द्वारा उस महान शहर के वर्णन पर ध्यान दीजिए:

60

"पूर्वी दिशा के उद्यान में स्थित; एक पूर्ण चौकोर रूप में फैला हुआ, ...जिसके चारों ओर एक गहरी खाई या गड्ढा था ...

61

इसके दरवाजे पीतल के थे, उसके झूलते हुए उद्यान छत के ऊपर छत पर ऊगे हुए थे ... उसके दो शाही महल ...

62

वहाँ, सम्पूर्ण पृथ्वी उसके पांव पड़ती थी, मानो ऐश्वर्य की रानी के सामने...

63

यह शहर, उस राज्य की राजधानी के लिए उपयुक्त था जो सोने के सिर द्वारा दर्शाया गया था।"
यूरियाह स्मिथ, दी प्रॉफेसीज् आफ दानिय्येल एण्ड रेवेलेशन, पृष्ठ ३३, ३४

64

बाबुल के झूलते हुए बनावटी बगीचे प्राचीन दुनिया के सात आश्चर्यों में से एक थे!

65

यदि दानिय्येल ने बाबुल में अपना नाम कमाने के लिए एक होशियार राजनीतिज्ञ बनने का प्रयास किया होता, तो वह उसी समय उसके स्वप्न का अर्थ बताना तुरन्त बन्द कर देता।

परन्तु दानिय्येल के पास एक संदेश था जिसे परमेश्वर दुनिया को देना चाहता था -एक संदेश जो केवल उसके समय के लिए ही नहीं था, परन्तु पृथ्वी के इतिहास के अंत तक उपयुक्त हो सकता है।

१ - भविष्य को कैसे जाने

66

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ३९)

तब दानिय्येल ने बड़ी नम्रतापूर्वक परन्तु हिम्मत से स्पष्ट किया :

"तेरे बाद एक राज्य और उदय होगा जो तुझ से छोटा होगा ----"

दानिय्येल २ : ३९

67

जैसे ही दानिय्येल के द्वारा कहे गए उन शब्दों को राजा ने सुना वैसे ही उसकी मुस्कुराहट तुरंत फीकी पड़ गई। बाबुल के घमंडी राजा ने संभवतः इस बात को कभी भी नहीं सोचा था कि कोई अन्य राज्य भी दुनिया के ऊपर शासन कर सकता है।

68

वास्तव में, खुदाई करके मिट्टी की वे तख्तियाँ मिलीं जिन पर नबूकदनेस्सर के द्वारा इन शब्दों को लिखा गया था :

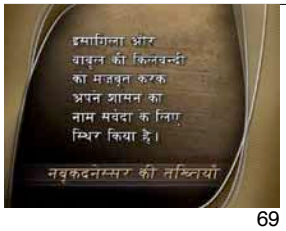

69

"इसागिला और बाबुल की किलेबन्दी को मजबूत करके अपने शासन का नाम सर्वदा के लिए स्थिर किया है।"

70

(मूलपाठ : दानिय्येल ४ : ३०)

क्या यह बड़ा बाबुल नहीं है,

71

जिसे मैं ने ही अपने बल और सामर्थ से राजनिवास होने को और अपने प्रताप की बड़ाई के लिए बसाया है?"

दानिय्येल ४ : ३०

तब भी, परमेश्वर ने कहा कि बाबुल के सोना रूपी राज्य के बाद एक दूसरी शक्ति उठेगी जो उस पर राज्य करेगी।

और दानिय्येल इसे देखने के लिए जीवित रहा।

72

(दृश्य)

बेलशेस्सर के शासन में, जो नबूकदनेस्सर का घमंडी पोता था, फारस के राजा कुस्रू ने बाबुल के चारों ओर घेरा डाला।

73

१३ अक्टूबर, ५३९ ईसा पूर्व को, बाबुल के सोने के राज्य का अपमानजनक अन्त हो गया!

74

ध्यान दीजिए कि परमेश्वर ने बिलकुल ठीक भविष्यवाणी की थी कि कौन और कब उस शहर पर राज्य करेगा। यह बाबुल के नाश होने के लगभग २०० वर्ष पूर्व किया गया था,

१ - भविष्य को कैसे जाने

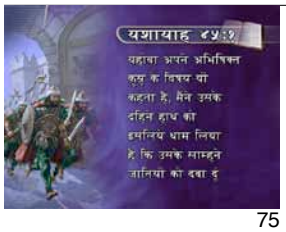

75

(मूलपाठ : यशायाह ४५ : १)

परमेश्वर ने यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा यह कहा : "यहोवा अपने अभिषिक्त कुस्रू के विषय यों कहता है, मैं ने उसके दहिने हाथ को इसलिये थाम लिया है कि उसके साम्हने जातियों को दबा दूं

76

और राजाओं की कमर ढीली करुं, उसके साम्हने फाटकों को ऐसा खोल दूं कि वे फाटक बन्द न किए जाएं।"

यशायाह ४५ : १

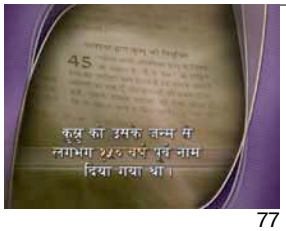

77

परमेश्वर ने कुस्रू के जन्म से १५० वर्ष पहले यह भी बताया कि किसके द्वारा ऐसा होगा।

78

(दृश्य)

कुस्रू दीवारों को नहीं तोड़ सकता था, क्योंकि वे अत्यधिक ऊँची और मोटी भी थीं, इसलिए उसने दूसरी योजना बनाई :

उसने नदी का रुख बदल दिया जो कि नगर के मध्य से गुजरती थी, और उसकी सेना नदी के नहर से होकर नगर के भीतर चली गई।

किसी ने लापरवाही से या देशद्रोह के कारण भीतर के विशाल पीतल के फाटक अरक्षित और खुले छोड़ दिए थे!

79

कुस्रु के सैनिक नगर के भीतर प्रवेश हो गए और राजा और उसके सज्जनो को मार डाला जब वे राजा नबूकदनेस्सर के द्वारा लाए गए सोने के पात्रों में शराब पी रहे थे। नबूकदनेस्सर उन पात्रों को सुलेमान के मंदिर में से बहुत वर्षों पहले लूट कर लाया था।

80

दानिय्येल ने यह भविष्यवाणी की थी कि बाबुल के सोने के राज्य के बाद, बाबुल से छोटा एक दूसरा राज्य, जो कि चांदी से बनी छाती और भुजाओं द्वारा प्रदर्शित किया गया था, शासन करेगा।

१ - भविष्य को कैसे जाने

81

मादी और फारस की संयुक्त सरकार सचमुच बाबुल के महान राज्य से छोटी थी, परन्तु उसने मध्य पूर्वी क्षेत्र पर दो सदियों तक शासन किया।

दानिय्येल ने यह भविष्यवाणी की थी कि चांदी के राज्य की सीमाएं भी होंगी:

82

(मूलपाठः दानिय्येल २:३९)

"... फिर एक और तीसरा पीतल का सा राज्य होगा जो सारी पृथ्वी पर राज्य करेगा।"

दानिय्येल २:३९

83

उस धातु से बनी मूर्ति के पीतल के पेट और पीतल की जांघों की भविष्यवाणी तब पूरी हुई जब उस जवान जनरल सिकन्दर महान ने फारस के राजा दारा तृतीय को अरबेला के युद्ध में ३३१ ईसापूर्व में हराया। दुनिया का तीसरा राज्य यूनानी था।

84

जवानी के २५वें साल में सिकन्दर दुनिया के सब से अधिक विस्तृत राज्यों में से एक राज्य का शासक बना। वह देश यूनान था।

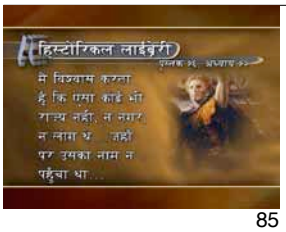

85

यूनानी इतिहासकर आर्यन एलिक्जेंडर के विषय में लिखते हुए कहते हैं :

"मैं विश्वास करता हूँ कि ऐसा कोई भी राज्य नही, न नगर, न लोग थे ... जहाँ पर उसका नाम न पहुँचा था ...

86

मुझे ऐसा लगता है कि कोई स्वर्गीय हाथ उसके जन्म और उसके कार्य दोनो के ऊपर रहा होगा।"

हिस्टोरिकल लाईब्रेरी, पुस्तक १६, अध्याय १२

87

यूनान के पैदल सैनिकों की पोशाक पीतल से बनी हुई थी, जो नबूकदनेस्सर के स्वप्न का तीसरा धातु था।

88

सिकन्दर अपने ३३ वें जन्मदिन से पूर्व ज्वर से मर गया। उसकी मृत्यु के बाद उसका राज्य कमजोर हो गया और कई भागों में बट गया और अंत में,

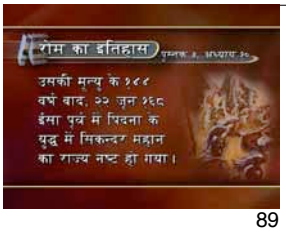

89

"उसकी मृत्यु के १४४ वर्ष बाद, २२ जून १६८ ईसा पूर्व में पिदना के युद्ध में सिकन्दर महान का राज्य नष्ट हो गया।"

हिस्ट्री आफ रोम, पुस्तक ३, अध्याय १०

१ - भविष्य को कैसे जाने

90

प्राचीन राज्यों के सबसे अधिक भयंकर राज्य अब आता हैं। आपको याद है कि परमेश्वर ने यह भविष्यवाणी की थी कि दुनिया के चार राज्य एक के बाद एक होंगे।

91

सचमुच लोहे के पैर दुनिया के चौथे राज्य की निर्दयतापूर्वक नाश करने वाली शक्ति का बहुत अच्छी तरह से वर्णन करते हैं। इस प्रकार दानिय्येल ने राजा से उसका वर्णन किया था :

92

(मूलपाठः दानिय्येल २:४०)

"और चौथा राज्य लोहे के तुल्य मजबूत होगा ..."

दानिय्येल २:४०

93

उसके राज्य के कैसर अपने आप को देवता कहते थे और सारे लोगों से कहना मानने और उनकी उपासना करने को कहते थे।

इस रोमी शासन के समय में दो महत्वपूर्ण घटनाऐं घटीं।

१ - भविष्य को कैसे जाने

94

१. यीशु बैतलहेम में पैदा हुए थे। उस रोम के शासक ने यह आज्ञा निकाली थी कि बैतलेहम में जितने भी दो वर्ष के या उससे छोटे नर बच्चे हैं उन को मार डाला जाए।

वह यीशु को मारने की आशा करता था, और

95

२. रोमी अधिकार के अन्दर यीशु को यहूदा में कूस पर चढ़ाया गया था। एक रोमी शासक ने यीशु के मारे जाने की अनुमति दी। रोमी सिपाहियों के द्वारा यीशु को कूस पर कीलों से ठोका गया था, और यीशु की कब्र के ऊपर रोमी मुहर लगा दी गई थी ताकि उसे वहाँ से न निकाला जा सके। पर अब भविष्यवाणी का तरीका बदल गया था। अब रोम के बाद कोई भी अकेली शक्ति दुनिया पर राज्य नहीं करेगी।

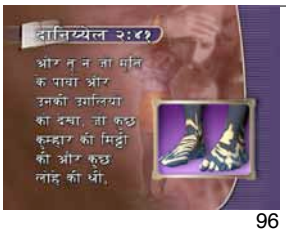

96

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ४१, ४३)

दानिय्येल ने लिखा "और तू ने जो मूर्ति के पावों और उनकी उंगलियों को देखा, जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं,

97

इस से वह चौथा राज्य बटा हुआ होगा ---

१ - भविष्य को कैसे जाने

98

... उसके लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले जुले तो रहेंगे, परन्तु एक न बने रहेंगे,

99

कुछ तो लोहा मिट्टी के साथ मिला होगा।"
दानिय्येल २:४१,४३

100

दूसरे शब्दों में, भविष्यवक्ताओं ने यह भविष्यवाणी की थी, कि दुनिया का पांचवा राज्य उदय नही होगा, परन्तु रोम के राजा के द्वारा शासित लोहे के राज्य के भाग हो जाऐंगे।

101

(दृश्य)
रोम कई राज्यों में बट जाएगा।

102

रोम का यह विशाल राज्य जिसने लगभग ६०० वर्ष तक राज्य किया था लोहे के भागों में विभाजित हो गया।

103

भोग विलास, राजनैतिक भ्रष्टाचार और नैतिक पतन को प्राप्त होने के कारण, रोम ने अपनी शक्ति को खो दिया, और वह असभ्य जातियों के लिए एक आसान शिकार बन गया। यह जातियाँ उस राज्य पर ३५१ ईसवी और ४७६ ईसवी के बीच आक्रमण करती रही।

104

राजा अगस्तुस को पदच्युत कर दिया गया और रोम को कई भागों में बांट दिया गया - भाग जो उस मूर्ति के लोहे और मिट्टी के बने पांव और उंगलियों से दर्शाये गये थे।

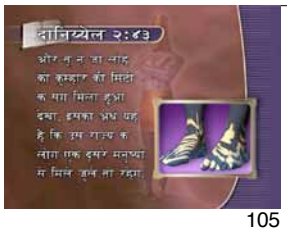

105

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ४३)

"और तू ने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा, इसका अर्थ यह है कि उस राज्य के लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले जुले तो रहेंगे;

106

परन्तु जैसे लोहा मिट्टी के साथ मेल नहीं खाता, वैसे ही वे भी एक न बने रहेंगे।"

दानिय्येल २ : ४३

रोम की असभ्य जातियों के आक्रमण से वह राज्य बंट गया। इन भागों ने यूरोप के वर्त्तमान राज्यों की नींव ड़ाली।

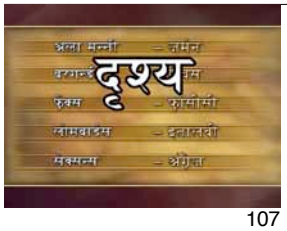

107

(दृश्य)

इतिहासकारों ने इन दस असभ्य जातियों की एक सूची दर्ज की है जो इस प्रकार है:– अला मन्नी - जर्मन, बरगनडियसं – स्विस, फ्रेंक्स –फ्रांसीसी, लोमबार्डस–इतालवी, सेक्सन्स – अंग्रेज

१ - भविष्य को कैसे जाने

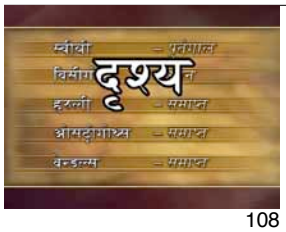

108

(दृश्य)

स्वीवी - पुर्तगाल, विसीगोथ्स - स्पेन, हरुली, ओसट्रोगोथ्स, वेन्डल्स –थे या तो - लुप्त हो गए या अपने चारों ओर के राज्यों के साथ मिल गए हैं।

109

परमेश्वर की यह भविष्यवाणी कि ये राज्य कभी भी एक साम्राज्य में फिर से नहीं मिलेंगे इन राज्यों के कामों को सीमित करती है।

110

यूरोप अब भी बटा हुआ रहेगा। वे एक साथ नहीं रहेंगे! यूरोपियन बाजार और मुद्रा सामान्य होने पर भी, वे विभाजित रहेंगे।

111

परमेश्वर ने कहा कि वे मनुष्य के बीज के साथ घुलमिल जाएंगे। दूसरे शब्दों में, वे राज्य परिवारों के सदस्यों के साथ अर्न्तविवाह करेंगे।

112

डेनमार्क के एक महल में, युरोप के राज घराने की वंशावली का चित्र लगा हुआ है। वे सारे परिवार एक दुसरे से सम्बंधित व सब रिश्तेदार थे! वे यह आशा करते थे कि इस से किसी प्रकार का युद्ध नहीं होगा। पर ऐसा नहीं हुआ।

113

उन की आपस में नहीं बन सकी इसलिए यूरोप में होने वाले युद्धों में बहुत से पारिवारिक युद्ध थे!
परमेश्वर ने यह भविष्यवाणी की थी कि वे आपस में मिलकर नहीं रह सकेंगे।
उन्होंने यह प्रयत्न किया कि रोमी राज्य को फिर से मिला लिया जाए, परन्तु यह कभी भी नहीं हो सका, क्योंकि लोहा और मिट्टी एक साथ मिलकर नहीं रह सकते!

114

यूरोप के राज्य को फिर से मिलाने के लिए किए गए प्रयत्नो के विषय में सोचिए।
दुनिया के होनेवाले नेतागण जो एक होने का प्रयास कर रहे थे उनका क्या हुआ?

115

शार्लीमेन - पराजित हुआ, चार्ल्सपंचम पराजित हुआ, लुई चौदवां - पराजित हुआ, नेपोलियन पराजित हुआ, कैसर विल्हेम पराजित हुआ, हिटलर- पराजित हुआ।
१८०० की आरम्भ के वर्षो में एल्बा के टापू पर देश निष्कासित फ्रांस के उस शक्तिशाली योद्धा नेपोलियन को यह मानना पड़ा कि परमेश्वर उन सबसे महान था!

१ - भविष्य को कैसे जाने

116

परमेश्वर ने यह कहा कि " वे एक दूसरे से मिल कर नहीं रह सकेंगे!"

ये दुनिया के होने वाले उन शासकों की समाधि के लिए सही लेख थे!

फिर भी, ये यूरोपीय देश एक साथ मिलने का प्रयत्न करते रहते हैं। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार परमेश्वर ने कहा था कि वे एक साथ हो तो सकते हैं!

परन्तु वे साथ मिल कर नहीं रह सकते।

117

(दृश्य)

नबूकदनेस्सर भविष्यवाणी के इस मोड के कारण व्याकुल हो गया था।

परमेश्वर ने दुनिया के चार महान राज्यों के दुर्भाग्य की भविष्यवाणी की थी। उसने यह भविष्यवाणी की थी कि ये राज्य रोम के ऊपर सफलता प्राप्त करेंगे, आज उनमें से सात देश पश्चिमी यूरोप में हैं - कुछ शक्तिशाली हैं, कुछ कमजोर हैं, परन्तु निराशाजनक स्थिति में विभाजित हैं।

118

इसके बाद क्या होगा?

स्पष्ट दिखाई देने वाले आनन्द और विश्वास के साथ, दानिय्येल अब धातु से बनी उस महान मूर्ति के स्वप्न के अर्थ को बताते हुए विस्मित करने वाली चरम सीमा में पहुँच गया था। उसने लिखा:

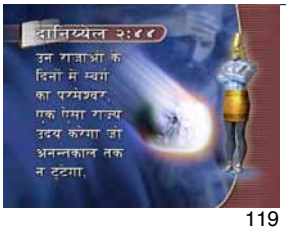

119

(मूलपाठ दानिय्येल २ : ४४,४५)

उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा,

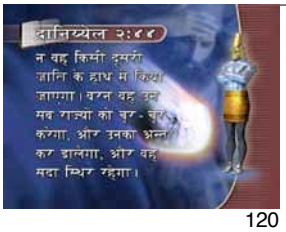

120

न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन वह उन सब राज्यों को चूर -चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा, और वह सदा स्थिर रहेगा।"

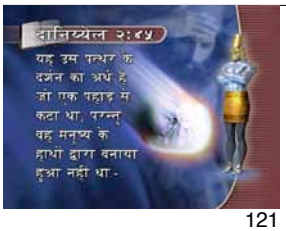

121

"यह उस पत्थर के दर्शन का अर्थ है जो एक पहाड़ से कटा था, परन्तु वह मनुष्य के हाथों द्वारा बनाया हुआ नहीं था

122

एक पत्थर जिसने लोहे, पीतल, मिट्टी, चान्दी और सोने को चूर-चूर किया।

१ - भविष्य को कैसे जाने

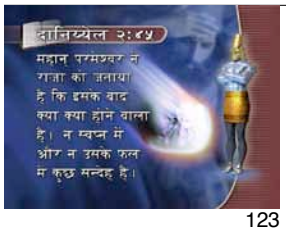

123

महान् परमेश्वर ने राजा को जताया है कि इसके बाद क्या क्या होने वाला है। न स्वप्न में और न उसके फल में कुछ सन्देह है। "

दानिय्येल २ : ४४, ४५

124

मनुष्य के इतिहास की दूसरी महान घटना यीशु का दूसरा आगमन और उनके राज्य की स्थापना होगी, जिसे उस पत्थर से दर्शाया गया है " जो बिना किसी हाथों के काटा गया।"

उनका राज्य, मनुष्यों के हाथों से नहीं, अपितु परमेश्वर के शक्तिशाली हाथों के द्वारा स्थापित किया जाएगा -एक ऐसा राज्य जो पूरी पृथ्वी पर छा जाएगा।

125

(मूलपाठ : प्रकाशितवाक्य ११ : १५)

"---इस जगत का राज्य हमारे प्रभु का राज्य हो गया, और उसके मसीह का हो गया ---और वह युगानुयुग राज्य करेगा --- "

प्रकाशितवाक्य ११ : १५

126

दानिय्येल की पुस्तक में इस भविष्यवाणी के द्वारा पूरी हुई अन्तिम घटनाओं पर ध्यान दीजिए :

१ - भविष्य को कैसे जाने

127

यीशु का दूसरा आगमन

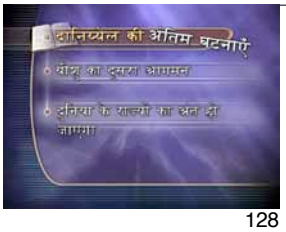

128

दुनिया के राज्यों का अंत हो जाएगा।

129

परमेश्वर अपने राज्य को स्थापित करेगा।

130

यह राज्य हमेशा रहेगा।

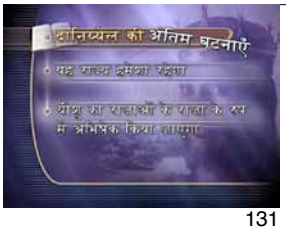

131

यीशु का राजाओं के राजा के रुप में अभिषेक किया जाएगा।

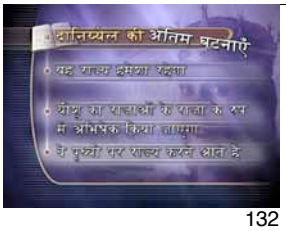

132

वे इस पृथ्वी पर एक अनन्त राज्य स्थापित करने आते हैं।

१ - भविष्य को कैसे जाने

133

जब दानिय्येल ने राजा को उसके सनसनीपूर्ण दर्शन और परमेश्वर का विस्मित करने वाला अर्थ बताया, तब राजा नबूकदनेस्सर अपने सिंहासन से उठ खड़ा हुआ। दानिय्येल के सम्मुख उसने नम्रतापूर्वक साष्टांग दण्डवत किया उसने ऐसा दानिय्येल के परमेश्वर को सम्मान देने के लिए किया, जिनकी बुद्धि और शक्ति का उसने इतना प्रभावशाली नमूना देखा था।

134

(मूलपाठ : दानिय्येल २ : ४७)

राजा ने दानिय्येल से कहा :–

"..... सच तो यह है कि तुम लोगों का परमेश्वर, सब ईश्वरों का ईश्वर, राजाओं का राजा और भेदों का खोलनेवाला है ....."

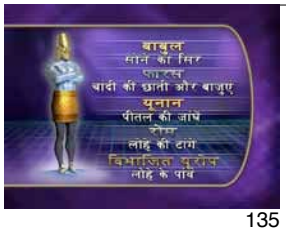

135

इस धातु से बनी मूर्ति के द्वारा, जो नबूकदनेस्सर ने अपने स्वप्न में मसीह के जन्म से ६०० वर्ष पूर्व देखी थी, परमेश्वर ने आने वाले रहस्य को खोला!

136

हाँ मित्र, "यह स्वप्न वास्तविक है, और उसका अर्थ सच्चा है! "

यह यात्रा लगभग समाप्त हो गई है!

मसीह का बादलों में आकर अपने अनंत राज्य को स्थापित करना अगली घटना है!

१ - भविष्य को कैसे जाने

137

(दृश्य)

सोने, चांदी, पीतल और लोहे को दर्शाने वाले राज्य इतिहास में बीत चुके हैं।

और अगली महिमामय घटना है हमारे प्रभु के शीघ्र आने की!

138

उसने आने वाले सुन्दर कल की सुन्दर योजना बनाई है जो कल्वरी पर खून से रंगे हुए क्रूस के द्वारा सम्भव हुआ है।

थोड़े समय के बाद ही ये सारी बातें पूरी हो जाएंगी। अभी परमेश्वर अपने राज्य को बना रहा है और उन्हें भी जो इस राज्य के सदस्य होंगे।

१ - भविष्य को कैसे जाने

139

(दृश्य)

हम इस बात से निश्चित हो सकते हैं कि हम उस के राज्य के सदस्य होंगे, यदि हम केवल विश्वास से वह करें जो उस क्रूस पर चढे डाकू ने किया था।

जब वह स्वर्ग और पृथ्वी के बीच यीशु की बगल में लटका था तब वह यीशु के समीप न जा सका।

परन्तु वह जानता था कि वह पापी है और उसे अपने पापों से छुटकारे की आवश्यकता थी। उसने दुनिया के उद्धारकर्ता को देखा कि उसके चेहरे और माथे पर कांटों के चुभने से खून बह रहा था और यह बात उसके हृदय को छू गई। उसने अपने पापों को स्वीकार किया और चिल्लाकर कहा,

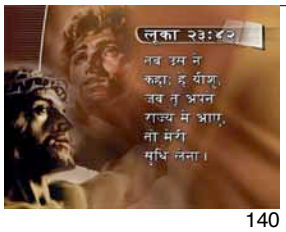

140

(मूलपाठः लूका २३ : ४२)

"तब उस ने कहा; हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना

लूका २३ : ४२

और यीशु ने उसे आश्वासन दिया कि वह उसके साथ उस राज्य में होगा।

141

आप भी यह प्रार्थना कर सकते हैं और वही आश्वासन पा सकते हैं कि मसीह के साथ आप उस राज्य में होंगे जो जल्दी ही इस पृथ्वी पर स्थापित किया जा रहा है।

१ - भविष्य को कैसे जाने

142

(मूलपाठ : मत्ती २५ : ३४)

तब आप मसीह के वापिस आने पर उसके ओंठो से इस निमंत्रण को सुनेंगे :

".....हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ, उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो तुम्हारे लिए तैयार किया हुआ है....."

मत्ती २५ : ३४

143

यह संसार मनुष्य के हाथों में नहीं है।

यह परमेश्वर के हाथ में है। हम भविष्य का बड़े आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकते हैं। मसीह जल्द आने वाले हैं ।

वह चटटान जो बिना हाथों के काटी गयी थी वह उस मूर्ति को काट देगी। इस पृथ्वी के राज्य चकनाचूर हो जाएंगे।

परमेश्वर अपना अनन्त राज्य ले आयेगा।

१ - भविष्य को कैसे जाने

144

आप इस परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं। आप इस परमेश्वर में विश्वास कर सकते हैं। आप उस के हाथों में सुरक्षित रह कर आराम कर सकते हैं। वह आप को आज पुकार रहा है। वह आपको आज आने का निमंत्रण दे रहा है। वह आपके हृदय में प्रवेश करना चाहता है। क्या आप यह कहना चाहेंगे, "हाँ, प्रभु, मैं तुझ पर पूर्णरूप से विश्वास करुंगा। मैं आज प्रार्थना के समय अपना जीवन समर्पित करता हूँ?"